

बेलगाम वविाद

परीलमिस के लयि:

बेलगाम का ऐतहासकि महत्त्व

मेन्स के लयि:

भाषायी आधार पर राज्यों का वलिय एवं एकीकरण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कर्नाटक-महाराष्ट्र राज्य की सीमा पर स्थिति बेलगाम पर अधिकार को लेकर दोनों राज्यों में तनाव की स्थिति देखी गई है।

मुख्य बदि:

- बेलगाम कर्नाटक और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थिति है, जहाँ मराठी भाषी बहुसंख्यक नवास करते हैं।

क्या है वविाद?

- बेलगाम पर महाराष्ट्र अपना दावा करता रहा है क्योंकि यहाँ मराठी भाषी लोगों की बड़ी आबादी रहती है लेकिन यह ज़िला कर्नाटक के अंतर्गत आता है।
- हाल ही में एक कन्नड़ संगठन की ओर से महाराष्ट्र एकीकरण समिति पर की गई टिप्पणी के बाद बेलगाम को लेकर जारी दशकों पुराना यह वविाद फरि से गरमा गया।
- महाराष्ट्र एकीकरण समिति कर्नाटक के मराठी भाषी आबादी वाले इलाकों को महाराष्ट्र में सम्मलिति करने के लयि संघर्ष कर रही है।
- महाराष्ट्र सरकार ने दसिंबर, 2019 की शुरुआत में कर्नाटक सरकार के साथ सीमा वविाद से संबंधति मामलों पर बातचीत तेज़ करने के प्रयासों की समीक्षा के लयि दो मंत्रियों को 'समन्वयक' बनाया है।

बेलगाम का ऐतहासकि महत्त्व:

- कर्नाटक के बेलगाम शहर का ऐतहासकि महत्त्व है।
- बेलगाम में 1924 में कॉन्ग्रेस का अधविशन हुआ जिसकी अधयकषता महात्मा गांधी ने की।
- लोकमान्य बाल गंगाधर तलिक ने वर्ष 1916 में बेलगाम से ही अपना 'होम रूल लीग' आंदोलन शुरु कयिा था।

बदलते परदृश्य में सरकारों को कषेत्रवाद के स्वरूप को समझना होगा। यदयिह वकिस की मांग तक सीमति है तो उचति है, परंतु यदकषेत्रीय टकराव को बढ़ावा देने वाला है तो इसे रोकने के प्रयास कयि जाने चाहयि। वर्तमान में कषेत्रवाद संसाधनों पर अधिकार करने और वकिस की लालसा के कारण अधकि पनपता दखिाई दे रहा है। इसका एक ही उपाय है कवकिस योजनाओं का वसितार सुदूर तक हो। सम-वकिसवाद ही कषेत्रवाद का सही उत्तर हो सकता है।

स्रोत- द हदि

